विनीत मोहन औदिच्य

सिक्त स्वरों के सोनेट

प्रकाशकीय

कविता कवि, पाठक या श्रोता के मन को अंतर तक सिक्त करने की क्षमता रखती है। कविता के लिए आचार्यों द्वारा पाठक और श्रोता को दूसरा तत्त्व स्वीकार किया गया। सर्वप्रथम तो कवि और स्वयं कविता ही है। कविताओं के प्रभाव को पैदा करने में शब्द और अर्थ का विशेष महत्त्व माना गया है। शब्द का अपने परम्परागत अर्थ से नियत सम्बन्ध होता है। इस संबंध को अभिधा व्यापार कहा गया है। किन्तु भाषा में इस व्यापार के अतिरिक्त लक्षणा व्यापार भी काव्य करता है। आदरणीय विनीत मोहन औदिच्य जी ने अपने सोनेट-संग्रह 'सिक्त स्वरों के सोनेट' की रचनाओं से कविता के सभी तत्त्वों को साध दिला है।

आदरणीय औदिच्य सर ने इस पुस्तक के अस्सी सोनेट में जीवन के हर क्षेत्र और मन के हर भावों को अभिव्यक्ति दी है। यह केवल संग्रह ही नहीं है, साहित्यानुरागियों के लिए एक श्रेष्ठ रचना भी है और सीखने वालों के लिए हिंदी सोनेट की एक पाठशाला भी। इस पुस्तक की रचनाओं में शब्दों का चयन हो या भावों की अभिव्यक्ति, दृश्यों का सामान्यीकरण हो या अनुभतियों की सौंदर्यबोध, पाठक को निश्चित ही हर दृष्टि से चमत्कार का अनुभव होगा।

सोनेटियर औदिच्य जी ने अपनी रचनाओं में हिंदी के पारंपारिक छंदविधाओं का सफल प्रयोग तो किया ही है, अपने सोनेट्स को विभिन्न विषय से जोड़ कर नूतनता और ऊँचाई भी प्रदान किए हैं। यह सर्व भाषा ट्रस्ट का सौभाग्य है कि श्रेष्ठ साहित्यकार आदरणीय विनीत मोहन औदिच्य जी के सोनेट संग्रह 'सिक्त स्वरों के सोनेट' को प्रकाशित करने का अवसर प्राप्त हुआ। यह पुस्तक निश्चित ही हिंदी साहित्य के लिए मिल का पत्थर सिद्ध होगी।

केशव मोहन पाण्डेय
सर्व भाषा ट्रस्ट
नई दिल्ली

सिक्त स्वरों के सोनेट

विनीत मोहन औदिच्य
ISBN : 978-93-93605-30-6
मूल्य : 250.00/-
प्रथम संस्करण : 2022

© विनीत मोहन औदिच्य

प्रकाशक
सर्व भाषा ट्रस्ट
J-49, Street No.-38, Rajapuri, Main Road
Uttam Nagar, New Delhi -110059
E-mail : sbtpublication@gmail.com
Website : www.sarvbhashatrust.com
Mob. : +91 81786 95606

मुद्रक : आर. के. ऑफसेट प्रोसेस, दिल्ली

SIKT SWARO KE SONNET
by Vineet Mohan Audichya
Price : Rs. 250.00

अनुक्रम

	सुंदर देसज स्वरूप प्रस्तुत करते सॉनेट	9
	मिश्र स्वरों के सोनेट्स	14
	शुभाशंसा	17
	आत्म कथ्य	19
क्र.सं.		पृ.सं.
1.	जीवन	21
2.	शून्यता	22
3.	रात्रि	23
4.	श्रावण की शुष्कता	24
5.	पंखहीन मैं चिड़िया	25
6.	नारी	26
7.	सीता	27
8.	श्रीराम	28
9.	मैं, नदी, सागर	29
10.	उद्विग्न आकाश	30
11.	ग्राम्य जीवन	31
12.	समाधियाँ	32
13.	अज्ञात भय	33
14.	मृग मरीचिका	34
15.	बसंत ऋतु	35
16.	रुक्ष वृक्ष	36
17.	सौमित्र	37
18.	हनुमान	38
19.	भरत	39
20.	यमुना तीर	40
21.	वैराग्य	41
22.	प्रभु से मेल	42
23.	शाश्वत सत्य	43

24.	प्रेम चातक	44
25.	नेह का दर्पण	45
26.	मधुरिम सुर	46
27.	प्रणय याचना	47
28.	आदर्श भक्त	48
29.	बेटी	49
30.	ऊँचाई	50
31.	पाप-पुण्य	51
32.	जीवन तरिणी	52
33.	अस्तित्व	53
34.	मंगलामुखी	54
35.	दिव्य युगल सरकार	55
36.	निर्वाण	56
37.	काल	57
38.	अस्मिता	58
39.	प्राण सुधा	59
40.	एकात्म	60
41.	धूप	61
42.	प्रेम-अमिय	62
43.	पाषाण शिला	63
44.	प्रेम-पथ	64
45.	प्रणय तरु की वल्लरी	65
46.	प्रेमांकुर	66
47.	जगदम्बे	67
48.	स्वर्ग-नर्क	68
49.	याचक	69
50.	पावस ऋतु	70
51.	चातक मैं	71
52.	अहं	72
53.	स्रोतस्विनी	73
54.	हृदय क्रंदन	

55.	उड़ान	75
56.	नारी शक्ति	76
57.	जीवन-सार	77
58.	बुद्ध	78
59.	दर्पण में	79
60.	शिक्षक	80
61.	पन्द्रह अगस्त	81
62.	भारत वर्ष	82
63.	आशा की किरण	83
64.	स्वप्न नगर	84
65.	वीर जवान	85
66.	स्वर्णिम भारत	86
67.	कलिकाल	87
68.	शिक्षा	88
69.	निर्मोही काल	89
70.	नीलांबरी	90
71.	सौंदर्य स्वामिनी	91
72.	अभिशप्त हूँ मैं	92
73.	हरि-हर	93
74.	प्रतिकार	94
75.	तापसी	95
76.	सांझ की बेला	96
77.	व्यथित मन	97
78.	जीवन का उत्तरार्ध	98
79.	सुरसरि	99
80.	सिक्त स्वरों के सोनेट	100

विनीत मोहन औदिच्य

नाम : विनीत मोहन औदिच्य

जन्म स्थान : करहल, जिला - मैनपुरी, उ. प्र. (भारत)

जन्म तिथि : 10 फरवरी, 1961

संप्रति : सहा. प्राध्यापक, अंग्रेजी

उच्च शिक्षा विभाग, म. प्र. शासन के अंतर्गत शासकीय महाविद्यालय में अंग्रेजी साहित्य व भाषा का अध्यापन।

लेखन विधा : गजल, हिंदी व अंग्रेज़ी कविता

साहित्यिक उपलब्धियाँ : कुल प्रकाशित एकल संग्रह - 8, गजल संग्रह - खुशबू ए सुखन (2014), काव्य संग्रह - काव्य प्रवाह (2015), काव्य संग्रह - भाव स्रोतस्विनी (2019), गजल संग्रह - कारवाँ ए गजल (2019), गजल संग्रह - अंदाज ए सुखन(2020)

हिन्दी में अनूदित सोनेट संग्रह : प्रतीची से प्राची पर्यंत (2020), कारवां-ए-सुखन (2021)

हिंदी में अनूदित सोनेट संग्रह : ओ प्रिया (2021)

कुल प्रकाशित साझा काव्य संग्रह - 09

विभिन्न समाचारपत्रों, पत्रिकाओं व वेबसाइट्स में रचनाओं का सतत प्रकाशन।

प्राप्त सम्मान : अटल हिन्दी सम्मान, कवि नीरज सम्मान, सोपान विशिष्ट साहित्यकार सम्मान, साहित्य दीप शलाका सम्मान, काव्य शिखर सम्मान, आचार्य सलिल वर्मा सम्मान, शब्द कुंज सम्मान, शब्द सारथी सम्मान, माँ शारदे सम्मान, काव्य सागर सम्मान, विभिन्न साहित्यिक समूहों द्वारा सर्वश्रेष्ठ रचनाकार सम्मान।

स्थायी निवास : एम आई जी - 118, शांति विहार कालोनी, रजा खेड़ी, मकरोनिया, सागर, मध्य प्रदेश, भारत -470004

चलित भाष : +91-7974524871

अणु डाक : v.maudichya@yahoo.com

सर्व भाषा ट्रस्ट

Sarv Bhasha Trust
www.sarvbhashatrust.com
+91-8178695606